

डॉ. अगस्त कोकेल, नीतिवचन, सत्र 11

© 2024 अगस्त कोकेल और टेड हिल्डेब्रांट

यह नीतिवचन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ऑगस्ट कोकेल हैं। यह सत्र 11 है, सुलैमान की नीतिवचन, नीतिवचन 10.1-22.16।

नीतिवचन व्याख्यान में आपका स्वागत है। हमने नीतिवचन की पुस्तक पर 10 व्याख्यान खर्च किए हैं, अनिवार्य रूप से परिचय, नीतिवचन अध्याय 1-9 को देखते हुए।

यह नीतिवचन का एक निर्देश अनुभाग है जिसमें माता-पिता बच्चे को जीवन के उन पाठों के बारे में बता रहे हैं जिन्हें उन्हें जानना आवश्यक है, अनिवार्य रूप से वे मूल्य जिन्हें उन्हें सही निर्णय लेने के लिए, ज्ञान सीखने के लिए धारण करने की आवश्यकता है। अब हम 10-31 तक नीतिवचन के अनुभाग पर आते हैं जो वास्तव में नीतिवचनों का संग्रह है। इनमें से कई संग्रह हैं और उनमें सैकड़ों कहावतें हैं।

इन नीतिवचनों के पहले संग्रह को केवल सुलैमान की नीतिवचन कहा जाता है और यह नीतिवचन 10.1-22.16 तक फैला हुआ है। इस खंड में हमारे पास 375 कहावतें हैं जिनके बारे में हम एक मिनट में बात करने जा रहे हैं। बेशक पूरी किताब वास्तव में सुलैमान की देन है और संभवतः ये संग्रह नीतिवचनों में सबसे पुराने हैं। जिस तरह से नीतिवचन की संरचना की गई है, उससे ऐसा लगता है कि नीतिवचन 1-9 में हमने जो निर्देश अनुभाग देखा था, वह पाठक को उन्मुख करने और पाठक को अनुसरण करने योग्य कई कहावतों के लिए तैयार करने के लिए नीतिवचन के इन संग्रहों में जोड़ा गया था। उन्हें किस प्रकार समझा जाना चाहिए और उनसे कौन से मूल्य सीखे जाने चाहिए।

अब यह लम्बा भाग सामान्यतः दो भागों में विभाजित है। इसे नीतिवचन की पुस्तक के 15वें अध्याय के अंत में मुख्यतः लौकिक शैली के आधार पर विभाजित किया गया है। कहावतें कविता हैं।

हम हिब्रू कविता के बारे में थोड़ा और बात करने जा रहे हैं लेकिन लौकिक कहावतें आम तौर पर जोड़े में होती हैं। वे दो पंक्तियों में हैं जिन्हें कभी-कभी पंक्ति ए और पंक्ति बी कहा जाता है। इसलिए, उदाहरण के लिए नीतिवचन 10.1 कहता है, एक बुद्धिमान पुत्र एक खुश पिता बनता है, एक मूर्ख बेटा एक दुखी माँ बनता है। तो, आपके पास दो पंक्तियाँ हैं, एक पिता पर ध्यान केंद्रित करती है, दूसरी माँ पर ध्यान केंद्रित करती है, और फिर एक को खुशी और फिर एक को दुखद बताती है।

अब ये दोनों पंक्तियाँ वास्तव में एक दूसरे की पूरक हैं। वे कमोबेश यही बात कहते हैं कि एक बुद्धिमान बेटा माता-पिता को खुश करता है, लेकिन इसे हम प्रतिपक्षी के रूप में व्यक्त करते हैं। हम इसे बाद में थोड़ा और स्पष्ट करेंगे।

लेकिन सोलोमन के संग्रह के पहले अध्यायों की विशिष्टता यह है कि वे अध्याय 15 के अंत तक पूरी तरह से विरोधाभासी हैं। फिर उसके बाद, नीतिवचन में विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई है। हालाँकि सभी संग्रहों में राजत्व की बात सामने आती है, इसमें कोई संदेह नहीं है क्योंकि नीतिवचनों के संग्रह का उन शास्त्रियों से कुछ लेना-देना था जो राजा के दरबार से जुड़े थे।

यही कारण है कि नीतिवचन 25.1 में हमें यह संकेत मिलता है कि ये वे नीतिवचन थे जो हिजकिय्याह के समय दरबार में एकत्र किए गए थे। तो निस्संदेह राजत्व उन सभी के लिए महत्वपूर्ण विषय है जो राजा के साथ-साथ स्वयं राजा द्वारा शासित होते हैं। तो, हमारे पास जो कुछ है वह कहावत है जैसा कि हमने उन पर चर्चा की है।

ऐसी कहावतें जो हमेशा स्पष्ट नहीं होती कि उनका अभिप्राय क्या हो सकता है और ऐसी बातें जिन्हें अलग-अलग तरीकों से लागू किया जा सकता है। ये हमेशा ऐसी बातें होती हैं जो अवलोकन से आती हैं। लेकिन वे उस तरह का अवलोकन नहीं हैं जो हम विज्ञान में एक अनुभवजन्य जांच के रूप में करते हैं कि क्या कारण बनता है और क्या प्रभाव का कारण बनता है।

बल्कि ये सारी बातें उससे कहीं अधिक सामान्य हैं। वे केवल मानव व्यवहार के अवलोकन हैं और अक्सर मानव व्यवहार के अवलोकन होते हैं जिनमें अन्य प्रकार के परिणामों की समानता होती है जो तब हो सकते हैं जब कोई कार्रवाई होती है। अब हमें इन उपमाओं से सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि वे हमेशा तुलना के एक विशेष पहलू पर आधारित होती हैं।

यदि मैं एक बहुत ही सरल प्रकार के रूपक का उपयोग कर सकूँ, तो हम अक्सर अंग्रेजी भाषा में कहते हैं, जहाज पानी में बहता है। अब जहाज़ हल जैसा नहीं दिखता। जहाज और हल के बीच क्या समानता है, इसके बारे में वास्तव में सोचने का कोई तरीका नहीं है।

मेरे पिता ने एक बार एक रूपक के बारे में पूछा और इसलिए मैंने उस चित्रण का उपयोग किया। मैंने कहा तो एक जहाज के बारे में सोचो और एक हल के बारे में सोचो और वह कौन सी चीज़ होगी जो दोनों के बीच समान हो सकती है? अब मेरे पिता ने कभी जहाज़ नहीं देखा।

वह घास के मैदानों में बड़ा हुआ। लेकिन उसने जो देखा था वह मोटरबोट था। और जब आप पानी में मोटरबोट चलाते हैं तो आप अपने पीछे एक निशान छोड़ जाते हैं और यह एक नाली की तरह दिखता है।

और इसलिए, उन्होंने कहा, ओह, उन्होंने कहा, हाँ, मुझे लगता है कि एक हल अपने पीछे एक नाली छोड़ता है और एक जहाज अपने पीछे एक प्रकार का जाल छोड़ता है। और इसलिए, एक जहाज़ पानी में बह रहा है। खैर, अब यह बिल्कुल समझदार सादृश्य है।

बेशक, इसका किसी जहाज से कोई लेना-देना नहीं है, क्योंकि जहाज का कोई भी इंजीनियर, जिसमें जरा भी गर्व की भावना है, अगर उसके जहाज के पीछे कोई बड़ा खोखला झटका आता है, तो उसे बहुत शर्मिंदगी होगी। इसका मतलब है कि इसमें भारी मात्रा में खिंचाव है और यह एक बहुत ही अकुशल जहाज है। इसे हल के कोल्टर की तरह सामने से पानी को काटना है, पीछे कोई बड़ी नाली नहीं छोड़नी है।

और इसलिए, हम कहते हैं कि जहाज पानी के माध्यम से चलता है जिसका सामान्य अर्थ यह है कि जहाज का धनुष लहरों को उसी तरह से काट रहा है जिस तरह से कूल्टर जमीन के माध्यम से काटता है। लेकिन निःसंदेह, ऐसा नहीं है कि मेरे पिता का रूपक लेने का तरीका वास्तव में गलत था। बात बस इतनी है कि उन्होंने सादृश्य की बात को एक अलग तरह के नजरिए से खींचा।

अब, हमें याद रखना होगा कि कहावतें ऐसी ही होती हैं ताकि सादृश्य कैसे फिट बैठता है इसके लिए अलग-अलग तरीके अपनाए जा सकें और जरूरी नहीं कि वे सही हों या गलत। मैं कभी-कभी मुस्कराता हूँ जब मैं देखता हूँ कि लोग कहावतें पढ़ रहे हैं और उनकी व्याख्या करने की कोशिश कर रहे हैं जिस तरह से हम एक कथा में करते हैं या जिस तरह से हम व्याकरण क्या है और बाकी सब कुछ जानने के लिए मूसा की शिक्षा के साथ कर सकते हैं। अब, निःसंदेह, आपको इनमें से कुछ बातें कहावतों के साथ करनी होंगी, लेकिन मुख्य बात कहावत की व्याख्या में नहीं है।

यह उस तरीके के बारे में सोच है जिसमें सादृश्य बनाते समय वक्ता द्वारा इसका इरादा किया गया था। तो, कहावतों से एक उदाहरण का उपयोग करने के लिए, टिड्डों का कोई राजा नहीं होता है, लेकिन वे सभी सेना-प्रकार की इकाइयों में निकलते हैं। तो, यह एक उपमा है जो वास्तव में बिल्कुल उपयुक्त है क्योंकि मैं मैदानी इलाकों से हूँ और मैंने टिड्डे देखे हैं।

और वस्तुतः, वे किसी क्षेत्र का रंग बदल सकते हैं क्योंकि उनमें से बहुत सारे हैं। और फिर वे सभी उड़ान भरते हैं, लेकिन जब वे उड़ान भरते हैं, तो वे कभी एक-दूसरे से नहीं टकराते। वे वास्तव में बहुत व्यवस्थित ढंग से चलते हैं।

और उनके पास यह जानने के लिए पर्याप्त दिमाग कैसे है कि उन सभी को यह रास्ता अपनाना चाहिए, दूसरा रास्ता नहीं और जब वे एक-दूसरे से मिलीमीटर की दूरी पर होते हैं तो वे कभी भी एक-दूसरे से नहीं टकराते, मैं नहीं जानता। जहां तक मुझे पता है, वे एक सैनिक के रूप में प्रशिक्षित किए बिना एक सेना हैं। अब, कुछ कहावतें लोकप्रिय प्रकार की कहावतें हैं।

और इसलिए, हम यहां नीतिवचन की पुस्तक से ही कुछ उदाहरण लेंगे। शराबी के हाथ में काँटेदार झाड़ी और मूर्ख के मुँह में कहावत। अब, इसका क्या मतलब निकाला जाए? खैर, अगर किसी शराबी के पास कोई ऐसा उपकरण है जो नुकसान पहुंचा सकता है, तो संभावना यह है कि वह इसका उपयोग हानिकारक तरीके से करेगा।

और मूर्ख उपमाओं का उपयोग तो कर सकते हैं, लेकिन मददगार होने के लिए उनका उपयोग नहीं कर सकते। वे उनका उपयोग बहुत ही हानिकारक तरीके से करेंगे। कभी-कभी, निःसंदेह, कहावतें और नारे अपमान करने या उपहास करने के लिए होते हैं।

उनमें से एक जो मैंने शमूएल में देखा है, सिर्फ इसलिए कि यह 1 शमूएल की किताब को शाऊल की कहानी के इर्द-गिर्द इतनी तेजी से विभाजित करता है, 1 शमूएल 10-12 में पाया जाता है और 1 शमूएल 19 में फिर से पाया जाता है। क्या शाऊल इनमें से एक है भविष्यवक्ता? अब, यह एक उपहास है। लेकिन सैमुअल की किताब में यह इसलिए भी उपयुक्त है क्योंकि जब शाऊल को

पहली बार राजा बनने के लिए चुना जाता है, तो उसकी मुलाकात भविष्यवक्ताओं के एक समूह से होती है और वह इन भविष्यवक्ताओं की कुछ विशेषताओं को साझा करता हुआ प्रतीत होता है।

और इसलिए, आप आश्चर्यचकित हो सकते हैं, अच्छा, यह लड़का कौन है, शाऊल? और फिर वह राजा बन जाता है और फिर वह कुछ हद तक पागल हो जाता है। वह डेविड पर क्रोधित हो जाता है और वह सबसे अतार्किक चीजें करता है, जिसमें अपने बेटे को अपमानित करना भी शामिल है, सिर्फ इसलिए क्योंकि उसका बेटा डेविड को उसके साथ धोखा नहीं देगा। और अंत में, उसकी मुलाकात भविष्यवक्ताओं के इस समूह से होती है और वह उनके विशिष्ट उन्मादी प्रकार के व्यवहार के साथ समाप्त होता है, वस्त्रहीन और निर्वस्त्र।

और यह स्पष्ट है कि यह सिर्फ शर्म की बात है। यह एक दिखावा है। तो, शाऊल, अपने वैध शासन के अंत में, दिखा रहा है कि वह वास्तव में कौन है।

वह सिर्फ एक धोखा है। वह ईश्वर का बिल्कुल भी अनुसरण नहीं करता। क्या शाऊल भविष्यवक्ताओं में से है? यह एक उपहास है।

जो तलवार बान्धता है, वह तलवार उतारने वाले के समान घमण्ड न करे। यह एक उकसावे की बात है। अब, यहाँ राजाओं की एक कहानी है जिसमें दक्षिण का जुझारू राजा उत्तर के राजा को चुनौती दे रहा था।

और निस्संदेह, इन दोनों राजाओं के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं थी। और यह बिल्कुल बेतुका था कि यह दक्षिणी राजा अपनी सैन्य शक्तियों के बारे में शेखी बघार रहा था। और उसकी चुनौती का उत्तर यह है कि जो तलवार उठाता है, वह तलवार उठाने वाले के समान डींगें न मारे।

अंतिम परिणाम आपके लिए अच्छा नहीं होगा। पिताओं ने खट्टे अंगूर खाये हैं और बच्चों के दाँत धुंधले, कुंद हो गये हैं। हम पहले ही उस पर चर्चा कर चुके हैं।

यीशु के लिए, चिकित्सक, अपने आप को ठीक करो। यह हास्यास्पद है। आप वास्तव में वह नहीं हैं जो आप कहते हैं कि आप हैं।

कफरनहूम में आपने जो कुछ किया उसकी खबरें हैं, लेकिन आप यहां कुछ नहीं कर रहे हैं। खैर, हाल ही के कुछ आधुनिक विचार जो कभी-कभी मुझे परेशान करते थे और कभी-कभी मुझे हास्यास्पद लगते थे, वह था पुलिस को बदनाम करने की धारणा। बेशक, अगर हम अपने देश में हैं, तो हम जानते हैं कि इसका क्या मतलब है।

यह एक निश्चित रंग के लोगों का एक निश्चित अल्पसंख्यक वर्ग था, जिनके साथ पुलिस द्वारा हमेशा गलत व्यवहार किया जाता था। और होना यह चाहिए था कि पुलिस से फंडिंग छीन ली जाए और अन्य कार्यों के लिए पैसा दिया जाए। लेकिन निःसंदेह, हम सभी जानते हैं कि हमें पुलिसकर्मियों की आवश्यकता है।

और यहां कनाडा में, जहां मैं रहता हूं, जब ट्रकों का काफिला ओटावा पहुंचा, तो कोई भी यह नहीं कह रहा था कि पुलिस को बदनाम करो। वास्तव में, उन्हें अचानक पर्याप्त पुलिस नहीं मिल सकी क्योंकि उन्हें और अधिक की आवश्यकता थी। तो हम सुलैमान की नीतिवचनों और सुलैमान की 375 नीतिवचनों को देखने जा रहे हैं, जो यहां अध्याय में शुरू होते हैं, हालांकि, मैं केवल एक शब्द कहना चाहता हूं कि 375 क्यों हैं।

संख्या 375 का संबंध सुलैमान के नाम से है। हिब्रू संख्यात्मक प्रणाली हमारी तरह ही एक दशमलव प्रणाली है, लेकिन वे संख्याओं को इंगित करने के लिए अपने अक्षरों का उपयोग करते हैं। और इसलिए, वर्णमाला का पहला अक्षर एक को इंगित करता है, और फिर आप 10 तक जाते हैं, जो वर्णमाला का 10वां अक्षर है, और इसका मतलब है 10।

और फिर, निःसंदेह, वर्णमाला के अगले अक्षर का अर्थ 20 है। और अगले का अर्थ 30 है। इसलिए, जब आपके पास सुलैमान का नाम है, तो आप इसे एक संख्यात्मक संख्या दे सकते हैं।

और हिब्रू में, यह शिंशा -ला-मा-ए है। यह संख्या, इस अक्षर का मान 300 है। यह 30 है।

यह 40 है। और यह 5 है। और इसलिए, आपका कुल 375 है। अब, संख्याओं और शब्दों के बीच इस तरह का संबंध असामान्य नहीं है, लेकिन यह बहुत स्पष्ट है कि यहां नीतिवचन की पुस्तक में, कोई बहुत जानबूझकर बना रहा था ठीक 375 नीतिवचनों के संग्रह को एक साथ लाकर सुलैमान के लेखकत्व और नीतिवचनों के संग्रह के बीच एक संबंध।

हम नीतिवचन 10 में इनमें से पहली को देखने जा रहे हैं, जहाँ हमारे पास धन पर नीतिवचन हैं। इसलिए, हम इनका अनुवाद पढ़ने के लिए समय निकालेंगे। बुद्धिमान बच्चा माता-पिता को गौरवान्वित करता है, परन्तु मूर्ख बच्चा दुःख लाता है।

चरित्र धन की अपेक्षा संकट से मुक्ति दिलाता है। भगवान इच्छाओं को संतुष्ट करते हैं, लेकिन लालच को निराश करते हैं। मैं यहां कहावत के अर्थ की व्याख्या दे रहा हूं।

छल से दरिद्रता आती है, परन्तु परिश्रम से धन होता है। परिश्रम से सफलता मिलती है, परन्तु आलस्य से लज्जा आती है। धर्म से आशीष मिलती है, परन्तु दुष्टता से हिंसा छिपती है।

अब, इन नीतिवचनों की हिब्रू अभिव्यक्ति में, छह नीतिवचनों का यह पहला सेट यहां एक प्रकार की इकाई बनाता है। और फिर दूसरी इकाई नैतिक अखंडता पर नीतिवचन द्वारा बनाई गई है। धर्म तो आशीर्वाद की विरासत छोड़ता है, परन्तु दुष्टों के नाम से दुर्गन्ध आती है।

बुद्धिमान सुनते और सीखते हैं, परन्तु मूर्खता की बातें टाल दी जाती हैं। ईमानदारी सुरक्षा लाती है, लेकिन धोखा खोज लाती है। अब, श्लोक 10 में यह एक उदाहरण है जहां कभी-कभी हम नीतिवचन में पाठ की आलोचना करते हैं क्योंकि श्लोक 10 का अंतिम भाग श्लोक 8 के अंतिम भाग के समान है। और इसलिए यह थोड़ा अजीब लगता है कि इनमें बिल्कुल समान शब्द होने चाहिए।

और दूसरी अजीब बात यह है कि ये कहावतें, जैसा कि हम आगे देखेंगे, विरोधाभासी हैं और यह हिब्रू पाठ में नहीं है। अब, हमारे पास नीतिवचन का एक और संस्करण है जिसे ग्रीक अनुवाद में संरक्षित किया गया था। वह यूनानी अनुवाद उसी तरह के हिब्रू पाठ से नहीं बनाया गया था, जिसे संरक्षित किया गया है और ईसा के बाद के समय में आधिकारिक हो गया है, जिसे हम अपने समय में नियमित रूप से उपयोग करते हैं।

लेकिन यह देखने में मूल्यवान हो सकता है कि प्रगति हो रही है और यह देखने में मूल्यवान हो सकता है कि कभी-कभी गलतियाँ होती हैं। और उन गलतियों में से एक है डिटोग्राफी, जो पिछली पंक्ति को बाद की पंक्ति में सिर्फ इसलिए कॉपी कर रही है क्योंकि आपकी नज़र गलत जगह पर पड़ी है। और शायद यहाँ वही हुआ है।

इसलिए, यदि हम इस विशेष कहावत के ग्रीक अनुवाद को देखें, तो जो सुधार करता है वह शांति स्थापित करता है। तो, कपटपूर्ण व्यवहार या आंख झपकाना शांति लाता है जबकि जो सुधारता है वह पीड़ा लाता है जबकि जो सुधारता है वह शांति लाता है। पूर्णता, दर्द, सुधार, शांति।

धर्म के वचन जीवन हैं, परन्तु दुष्टों की वाणी हिंसा लाती है। इसलिए, जब हम यहां संरचना को देखते हैं, तो हमें कुछ पैटर्न दिखाई देते हैं जिन्हें हम पहले ही बता चुके हैं। पंक्तियाँ पूरक हैं लेकिन अक्सर विपरीत शब्दों में व्यक्त की जाती हैं।

लेकिन हम जुड़ाव के पैटर्न भी देखते हैं। इसलिए, नीतिवचन 2 और 3 ईश्वरीय न्याय से संबंधित हैं। नीतिवचन 4 से 6 परिश्रम का प्रतिफल और धोखा देने पर हानि दर्शाते हैं।

और नीतिवचन 10, 1, और 6 में से प्रत्येक में धार्मिकता बनाम मूर्खता का विषय है। अब, मुझे यहाँ यह बताना होगा कि इनमें से कुछ टिप्पणियाँ बिल्कुल भी मेरी अपनी नहीं हैं। जो व्यक्ति इस सत्र की रिकॉर्डिंग कर रहा है, वह नीतिवचनों के बारे में मुझसे कहीं अधिक जानता है, कम से कम इसके कुछ हिस्सों में।

और वह वह व्यक्ति है जिसने नीतिवचनों में पाए जाने वाले पैटर्न का अध्ययन किया। और सच कहूँ तो, यह टेड हिल्डेब्रांड से चुराया गया है। और मैंने सोचा कि बेहतर होगा कि मैं इसे यहीं स्वीकार कर लूँ। [धन्यवाद गस, आप बहुत दयालु हैं--टेड]

सिर्फ इसलिए ताकि यह स्पष्ट हो जाए कि मुझे नहीं लगता कि मैं उसे बेवकूफ बना रहा हूँ। वह इस तरह की चीजों से भलीभांति परिचित हैं। लेकिन हमें नीतिवचनों में इस प्रकार के पैटर्न ढूँढने में सावधानी बरतने की ज़रूरत है।

हम उन सभी तरीकों को नहीं जानते हैं जिनसे ये पैटर्न तैयार किए गए थे। कभी-कभी वे अधिक स्पष्ट होते हैं और हम उन्हें वैसे ही देख सकते हैं जैसे हमने यहां देखा। लेकिन कभी-कभी यह उतना स्पष्ट नहीं होता है और हमें इन्हें केवल व्यक्तिगत कथनों के रूप में लेने की आवश्यकता होती है।

लेकिन यह एक छोटा सा परिचय है कि नीतिवचन के ये संग्रह कैसे कार्य करते हैं।

यह नीतिवचन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ऑगस्ट कोकिल हैं। यह सत्र संख्या 11, सोलोमन की नीतिवचन है। नीतिवचन 10.1-22.16.